विमर्श—प्रस्तुत प्रकरण में बाणकुसुम शब्द नील रंग की उपमा के लिए प्रयुक्त हुआ हैं। बाण नाम नीलपुष्प वाली कटसरैया का है।

बाणगुम्म

बाणगुम्म (बाणगुल्म) नीलपुष्पवाली कटसरैया का क्षुप

जीवा०३/५८०

विवरण—इसका क्षुप झाड़दार, कांटेदार तथा २ से ५ फीट तक ऊंचा होता है।

(भाव०नि०. पुष्पवर्ग०पृ०५०३)

बिंदु

बिंदु (बिन्दुक) हिगोट प०१/४०/५

बिन्दुक के पर्यायवाची नाम—

इङ्गुदो भल्लक स्तिक्तमज्जः स्यात् पूतिकर्णिकः।।८६४।।

कण्टकीर्णोऽङ्गारवृक्षो, बिन्दुको व्यावहारिकः।

तिक्तकः कण्टकिवृक्षः, कण्टकस्तापसद्रुमः।।८६५।।

भल्लक, तिक्तमज्ज, पूतिकर्णिक, कण्टकीर्ण, अंगारवृक्ष, बिन्दुक, व्यावहारिक, तिक्तक, कण्टकिवृक्ष, कण्टक, तापसद्रुम ये इंगुद के पर्याय हैं।

(कैयदेव नि०ओषधिवर्ग पृ०१६१)

अन्य भाषाओं में नाम—

हि०—हिगोट, इंगुजा, हिंगुआ। **म०**—हिंगणबेट, हिंगणो। **बं०**—इंगोट, हिंगोन, जीयासुता। **राज०**—हिंगोरिया, हिंगोरा। **कच्छी**—अंगारिया। **गु०**—इंगोरीयो। **ता०**—नचुदन, नानफुनदा। **ते०**—गारि, इंगुदी। **ओ०**—इंगुदी, हाला। **मला०**—नंचुट। **कना**—इंगलरे, इंगलुके। **अ०**—हिलेलजे। **अं०**—Delil (डेलिल)। **ले०**—Balanites Roxburghii Planch (बेलेनाईटीस राक्सबरघारई)

उत्पत्ति स्थान—यह भारत के शुष्क भागों में दक्षिण-पूर्व पंजाब एवं दिल्ली से सिक्किम, बंगाल, मध्य भारत, बम्बई तथा दक्षिण में होता है।

विवरण—यह वटादिवर्ग और महावृक्षादि कुल का मध्यमकद का वृक्ष होता है। जो जंगल कांटेदार, छोटी-बड़ी अनेक शाखायुक्त, सर्वदा हरा, १० से ३० फीट ऊंचा वृक्ष। बहुधा प्रशाखा के अंत भाग में लम्बा, तीक्ष्ण कांटा, मुख्य वृन्त पर प्रायः सामने दो पर्णदल बब्बूलवत् क्षुद्र या विविध आकार के। पुष्प हरे सफेद, छोटे, सुगंधित। फल अण्डाकार लम्बगोल,चिकने, तेजस्वी, अतिकठोर। लम्बाई लगभग २ से २.५ इंच। फलकच्चा होने पर हरा और पकने पर पीला। पुष्पकाल ग्रीष्म। फल पाक शरद ऋतु में।

(धन्वन्तरि वनौषधि विशेषांक भाग ६ पृ०४७६)

भाव प्रकाशकार ने इसे गुल्म माना है। इसका वृक्ष या गुल्म करीब २० फीट तक ऊंचा होता है।

(भाव०नि० वटादि वर्ग पृ०५३१)

बिभेलय

बिभेलय (बिभीतक) बहेडा

प०१/३५/२

विमर्श—प्रस्तुत प्रकरण में बिभेलय शब्द एकास्थि वर्ग के अन्तर्गत है। बहेडा में एक ही गुठली होती है।

बिभीतक के पर्यायवाची नाम—

विभीतकः कर्षफलो, वासन्तोऽक्षः कलिद्रुमः।

सम्वर्तको भूतवासः, कल्किहार्यो बहेडकः।।२१२।।

विभीतक, कर्षफल, वासन्त, अक्ष, कलिद्रुम, सम्वर्तक, भूतवास, कल्किहार्य और बहेडक ये सब बिभीतक के पर्याय हैं।

(धन्व०नि०२/२१२ पृ०७८)

अन्य भाषाओं में नाम

हि०—बहेडा, फिनास, भैरा। **बं०**—बयडा, बेहेडा बोहेरा। **म०**—बेहेडा, धाटिंगवृक्ष। **गु०**—बेहेडा। **क०**—तोरै। **तै०**—बल्लां, तडिचेट्टु। **ता०**—तनिताण्डि, तोअण्डि। **फा०**—बलेले। **अ०**—बलेलज़। **अं०**—Beleric Myrobalans (बेलेरिक मैरोबेलन्स) Beddanut (बेड्डानट)। **ले०**—Terminalia belerica Roxb (टर्मिनेलिया बेलेरिका) Fam. Combretaceae (कॉम्ब्रिटॅसी)।

उत्पत्ति स्थान—हमारे देश के प्रायः सब प्रान्तों में

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org